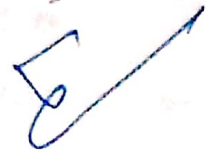


30-9-19

पंजावली पेक्षा दुई। वसील वारी अनुप्रास
वाट-वाट आवळ लगेई गई. समप-लगाव
प लव कुचे हे। न तो वारी उपे न ही
अन्के अधिवक्ता उपे। अतः पंजावली
अडम हाजी ल अडम पेंदवी मे शवाही
की जानी ले। पंजावली केवल कुमा
होका वाड ल वसील दाखिल इफेव ले



30.9.19

पजावली पेडाहरे वगील जाला. अनुपलिन
मूलका असम हाजी व असम फेरी मे
खादिन लो चुका है। प्राविन वज मा असम
हाजील असम फेरी मे खादिन जिजागत
है। पजावली केमल कामा? लोकमूल का मे
शान निवन्ध है।